MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

3 JULY, 2018

[Time : 11-30]

HINDI SHORTHAND

(80 Words Per Minute)

Marks : 100

(Time allowed for Transcription of (A) and (B) passages : 1 Hr. and 40 Min.)

हिंदी लघुलेखन

[८० शब्द प्रति मिनट]

अंक : १००

[कालावधि – [अ] और [ब] परिच्छेद के लिए १ घंटा और ४० मिनट]

[अ] [अंक : ४५ + ५ नोटस् के लिए]

हमारे देश में मुगल बादशाहों के जमाने की अनेक इमारतें हैं । उनमें ताजमहल का अपना / विशेष स्थान है । ताजमहल की गिनती दुनिया के सात महान आश्चर्यो में की जाती है । ताजमहल // का निर्माण मुगल बादशाह शाहजहाँ ने कराया था । कहा जाता हैं कि शाहजहाँ अपनी बेगम मुमताज महल को /// बहुत चाहता था । मुमताज महल ने मरते समय यह इच्छा प्रकट की थी कि उसका मकबरा दुनियाभर //१// में बेमिसाल हो । ताजमहल बनवाकर शाहजहाँ ने अपनी प्रिय बेगम की इच्छा पूरी की ।

ताजमहल आगरा / शहर में यमुना नदी के किनारे पर है । यह सफेद संगमरमर से बना है । कहते हैं कि बीस // हजार मजदूरों ने इसे बीस साल में तैयार किया था । ताज की इमारत एक चबूतरे पर खड़ी है । /// इसके चारों कोनों में चार भव्य मीनारें हैं । इमारत के सामने एक छोटी नहर है । नहर //२// में सुंदर फव्वारे लगे हुए हैं । नहर से दोनों तरफ सुंदर और हरे - भरे पेड़ - पौधे हैं । ताज / के दरवाजे पर की नक्काशी देखते ही बनती है । ताज के भीतर शाहजहाँ और मुमताज की कब्रें हैं । // हम ताज को देखने का आनंद किसी भी दिन उठा सकते हैं, परंतु शरदपूनम की रात में /// इसे देखने का आनंद कुछ ओर ही है । चाँदनी में नहाते हुए ताज का आकर्षण अनोखा होता हैं //३//

कवियों ने ताज को "संगमरमर का स्वप्न" कहा है । सचमुच यह पत्थर पर लिखा हुआ एक प्रेमपत्र / है । भारत आनेवाले विदेशी पर्यटक आगरा जाकर ताज को जरूर देखते हैं । तीन सौ साल पुरानी // यह इमारत आज भी नई लगती है । अपनी बेहतरीन कारीगरी के कारण ताजमहल केवल आगरा की /// ही नहीं पूरे भारत की शान है । सचमुच, ताज हमारी ऐतिहासिक धरोहर है । विश्व की सबसे खूबसूरत रचना है //४//

(दो मिनट का मध्यांतर)

"भूकंप" शब्द सुनते ही दिल दहल उठता है । सचमुच, भूकंप प्रकृति का एक डरावना रूप है /

भूकंप से प्रभावित क्षेत्र की जमीन काँपने लगती है । मकान हिलने लगते हैं । घर में पलंग // अलमारी आदि चीजें भी हिलने - डुलने लगती हैं । लोगों में भागदौड़ मच जाती है । /// मौका मिलता है, तो लोग अपने घरों से बाहर खुले में आ जाते हैं । रात //१// के समय भूकंप होने से जान - माल की बहुत हानि होती है ।

भूकंप के कारणों का अभी / तक पता नहीं चल पाया है । पौराणिक मान्यता के अनुसार हमारी पृथ्वी शेषनाग के फन पर टिकी हुई है । // जब किसी कारण से शेषनाग अपना सिर हिलाते हैं, तब धरती भी हिल उठती है । कुछ लोग /// धरती पर बढ़ रहे पापों के बोझ को भूकंप का कारण मानते हैं । परंतु वैज्ञानिकों का मत //२// है कि जब पृथ्वी के भीतर के तरल पदार्थ बहुत गरम हो जाते हैं, तो उनकी भाप का / दबाव बढ़ जाता है । यह दबाव धरती की ऊपरी सतह पर पड़ता है और भूकंप होता है । //

साधारण भूकंप में पृथ्वी कुछ देर के लिए मामूली रूप से हिलती है । इससे विशेष हानि नहीं होती । /// परंतु भूकंप के झटके जोरदार होने पर जान - माल का भारी विनाश होता है । घर मकान धराशायी //३// हो जाते हैं । गाँव के गाँव मिट्टी में मिल जाते हैं । हजारों लोग मौत के मुँह में चले / जाते है, या बेघर हो जाते हैं । बहुत-से लोग घायल और अपाहिज हो जाते है । भूकंप // की खबर फैलते ही मानवता जाग उठती है । मलबे के नीचे दबे हुए लोगों को बचाने /// का प्रयत्न किया जाता है । भूकंपग्रस्त लोगों के लिए राहत - शिबिर खोल दिए जाते हैं //४//